हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 29 जून 2026

11 लोवा खुर्द में हुई लीग के दौरान 35 टीमों के 320...

12 जल निकासी प्रबंधन व्यवस्था का नोडल...

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़ में दो महीने से बंद फैक्ट्री में चोरी

बहादुरगढ़। एमआईई पार्ट-बी स्थित एक बंद फैक्ट्री को चोरों ने निशाना बनाते हुए मशीनों के कीमती उपकरण और केबल चोरी कर लिए। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में दिल्ली के राजौरी गार्डन निवासी परविंदर सिंह गुजराल ने बताया कि एमआईई पार्ट-बी के प्लॉट नंबर-1964 में उनकी कंपनी पिछले करीब दो महीने से बंद पड़ी थी। शनिवार 27 जून को जब वे कंपनी पहुंचे तो देखा कि मशीनों की पीएलसी, ड्राइव, मोटर और वायर गायब थे। किसी अज्ञात व्यक्ति ने फैक्ट्री में घुसकर यह सामान चोरी कर लिया। एमआईई चौकी पुलिस ने बीएनएस की धारा 305 के तहत अज्ञात पर केस दर्ज किया गया।

अवैध हथियार के साथ आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। एंटी व्हीकल थेफ्ट की टीम ने सांखोल के निकट एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पुलिस टीम को देखकर भागने लगा तो संदेह के आधार पर काबू कर उसकी तलाशी ली गई। कबीर बस्ती निवासी अभय के पास से एक अवैध देसी पिस्तौल बरामद हुआ। उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत थाना सेक्टर-6 में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपियों की निशानदेही पर ऑटो किया बरामद

बहादुरगढ़। थाना सेक्टर-6 पुलिस को लूट मामले में आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयोग किया गया ऑटो बरामद कर लिया गया है। एसआई सत्यवीर ने बताया कि नीरज निवासी संत कबीर बस्ती तथा विकास निवासी सांखोल को पुलिस रिमांड पर पूछताछ की गई है। मोहम्मद आसिफ अली निवासी गांव जाखौदा ने शिकायत दी थी कि 6 मई की रात वह अपना फोन चार्ज करवाकर ऑटो से घर जा रहा था। रास्ते में ऑटो चालक ने पहले से बैठे दो युवकों के साथ मिलकर ऑटो का रास्ता बदल दिया। सेक्टर-16 क्षेत्र में पहुंचने पर आरोपियों ने शिकायतकर्ता से मारपीट कर मोबाइल छीन लिया तथा उसके पेटीएम का पासकोड पूछकर उसके खाते से ऑनलाइन लेन-देन कर रुपये निकाल लिए और मौके से फरार हो गए।

अग्निवीर बनने पर सचिन को दी बधाई

बहादुरगढ़। अग्निवीर योजना के तहत सचिन का भारतीय सेना में चयन हुआ है। सचिन, उसके पिता धर्मवीर व मां शकुंतला इस उपलब्धि बेहद खुश हैं। यशपाल हिंदुस्तानी ने भी उन्हें बधाई देते हुए कहा कि देश की सेवा के लिए भारतीय सेना में चयनित होना गर्व का विषय है।

भाईचारा स्नेह मिलान समारोह में पूर्व वित्त मंत्री ने किया आह्वान

समाज का भाईचारा तोड़ने वालों को धूल चटाए 36 बिरादरी : कैप्टन अभिमन्यु

शहर की दीनबंधु सर छोटूराम धर्मशाला में हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर की दीनबंधु सर छोटूराम धर्मशाला में रविवार को भाईचारा स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने शिरकत की। समारोह में विधायक राजेश जून, चेयरपर्सन सरोज राठी व चेयरमैन कप्तान बिरधाना के साथ कई खाप प्रतिनिधियों समेत विभिन्न वर्गों की सरदारी ने उनका भव्य अभिनंदन किया। भाईचारा स्नेह मिलन समारोह में उमड़ी 36 बिरादरी की भीड़ को संबोधित करते हुए कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने आक्रांताओं के साथ संघर्ष किया। झज्जर के वीरों 1857 की क्रांति से लेकर देश की आजादी के संघर्ष में अहम योगदान रहा। लेकिन इन दिनों समाज को बांटने की साजिश रची जा रही है। समाज के भाईचारे को तोड़ने वालों को विफल करना है। जो हमारे समाज को तोड़ना चाहते हैं, उन्हें चेतावनी देना चाहता हूं। इस धरती के बेटे खेत खलिहान में किसान है और सीमा पर जवान हैं। वे एक परिवार या जात के लिए नहीं बल्कि 36 बिरादरी के लिए बलिदान देते हैं। देश और समाज किसी भी राजनीतिक स्वार्थ से कहीं बड़ा है। समाज की एकता को तोड़ने वाला व्यक्ति देश को गुलामी के रास्ते पर ले जाने का पाप करता है।

> बोले-झज्जर के वीरों 1857 की क्रांति से लेकर देश की आजादी के संघर्ष में अहम योगदान रहा

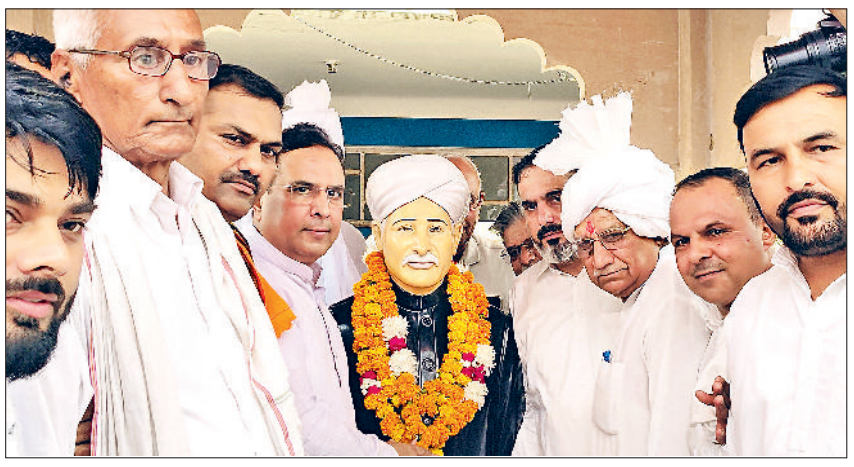

बहादुरगढ़। दीनबंधु छोटूराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते कैप्टन अभिमन्यु व अन्य।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम के अंत में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते कैप्टन अभिमन्यु। फोटो : हरिभूमि

आपस में विश्वास बढ़ाएं

कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि हम रहबरे-आजम दीनबंधु छोटूराम के अनुयायी हैं। इतिहास से सबक लेते हुए भविष्य को संवारें। आपस में विश्वास बढ़ाएं। दुनिया चांद और मंगल पर जा रही है, जबकि हम आपस में लड़ रहे हैं। हमें समाज को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाना होगा। गांव और शहर के जीवनस्तर में फर्क नहीं रहना चाहिए। हठधर्मिता छोड़कर तरीके से काम करवाने चाहिएं। समाज की सत्ता सर्वोपरि रहनी चाहिएं। इस पाक सफेद 36 बिरादरी की पगड़ी का मान कभी कम नहीं होने दूंगा। भाईचारे का यह मंच पूरी तरह सामाजिक है, इसका राजनीति से कोई संबंध नहीं है। यदि समाज एकजुट होकर आगे बढ़ेगा तो वर्ष 2047 तक विकसित भारत का प्रधानमंत्री का सपना साकार होगा।

कार्यक्रम में मौजूद पूर्व सैनिक व 36 बिरादरी के लोग

मंच का संचालन दिनेश गोयल और अशोक मलिक ने किया

मंच संचालन दिनेश गोयल व अशोक मलिक ने किया। इस मौके पर छोटूराम धर्मशाला के प्रधान बिजेंद्र जून, दुल्हेड़ा बारह खाप के प्रधान उमेद सिंह देशवाल, गुलिया खाप के प्रधान सुनील गुलिया, राठी खाप के प्रधान रणबीर राठी, अशोक मान, कपूर सिंह, महेंद्र प्रधान, पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र दलाल, पूर्व चेयरमैन परमजीत सोनू, सतीश नंबरदार, दिनेश गोयल, राजपाल शर्मा, चौधरी लायक राम, नरेश रोहिल्ला, जगदेव प्रधान, सुनील जाखड़, अशोक यादव, प्रदीप लडरावण, प्रवीण छिल्लर, अनूप छिल्लर, बिल्लू प्रधान, ऋषिपाल चाहार, कृष्ण जाखौदा, रामकंवार सैनी, अमित मल्होत्रा, अनिल खत्री, सरपंच जयभगवान, रमन यादव, हरिओम दलाल, योगेश सिलानी, त्रिवेणी पूर्व सैनिक संगठन के श्रीनिवास छिकारा समेत अन्य सदस्य समेत असंख्य लोग मौजूद रहे।

प्रपत्र डिजिटाइजेशन कार्य में सभी बीएलओ तेजी लाएं

झज्जर। प्रपत्र डिजिटाइजेशन कार्य में जुटे बीएलओ। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। भारत निर्वाचन आयोग के तहत चल रहे एसआईआर अभियान को प्रभावी रूप से पूरा करने के लिए जिला प्रशासन पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहा है। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों झज्जर, बेरी, बादली व बहादुरगढ़ में चल रही मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया के तहत चल रहे गणना प्रपत्र संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए गणना प्रपत्र समय पर प्राप्त किए जाएं। उन्होंने कहा कि एकत्रित सभी प्रपत्रों का बिना विलंब डिजिटाइजेशन किया जाए ताकि मतदाता सूची का एसआईआर निर्धारित समयावधि में सफलतापूर्वक पूरा हो सके। संबंधित ईआरओ निरंतर फील्ड में विजिट करते हुए बीएलओ को प्रोत्साहित भी कर रहे हैं ताकि प्रभावी रूप से कार्य अंतिम चरण में पूरा हो।

274 हुए परीक्षा में शामिल

130 पुलिसकर्मियों ने बी-वन विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण की

झज्जर। पुलिस विभाग में सिपाही से मुख्य सिपाही के पद पर पदोन्नति के लिए आयोजित की जाने वाली विभागीय बी-वन परीक्षा रविवार को गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कबलाना में आयोजित की गई। परीक्षा में जिले के कुल 274 महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों ने भाग लिया, जिनमें से 130 कर्मचारी उत्तीर्ण हुए। परीक्षा के दौरान पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा परीक्षा में शामिल कर्मचारियों को निष्पक्षता, अनुशासन और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अधिकारियों को भी परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर डीसीपी मयंक मिश्रा, एएसपी फैजल खान महेंद्रगढ़, एसीपी शमशेर सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

झज्जर। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह।

कूलर लगाते करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

झज्जर। कूलर लगाते समय एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान शहर के भट्टी गेट निवासी करीब 35 वर्षीय राजेश के तौर पर हुई है। राजेश शनिवार की रात को स्नान करने के बाद घर में कूलर को चलाने के लिए तार लगा रहा था कि अचानक करंट की चपेट में आ गया। परिजन गंभीर अवस्था में अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

झज्जर। पोस्टमार्टम के दौरान अस्पताल परिसर में उपस्थित परिजन।

ट्रक की टक्कर से चरखीदादरी का चालक घायल

झज्जर। क्षेत्र के गांव ग्वालिसन के नजदीक जब ट्रक में आई खराबी को देखने के लिए ट्रक चालक नीचे उतरा तो पीछे से तेज गति से आ रहे एक अन्य ट्रक ने उसे टक्कर मार कर घायल कर दिया। पुलिस को दी शिकायत में चरखी दादरी जिले के बिरड़ी कलां गांव निवासी सत्यप्रकाश ने बताया कि वह निजी कंपनी में ट्रक चालक के पद पर तैनात है। बीती 23-24 जून की रात जब वह कंपनी के काम से ट्रक लेकर चरखी दादरी से गुरुग्राम जा रहा था तो ग्वालिसन गांव के नजदीक बेकर क्रॉस समय रहते उसके ट्रक से एक तेज आवाज आई। इसके बाद जब वह ट्रक को सड़क किनारे खड़ा करके टायरों को चेक कर रहा था तो एक अन्य ट्रक ने उसे टक्कर मार दी और वह उसके दोनों पैरों के ऊपर से निकल गया। इसके बाद उसने मोबाइल पर गाड़ी मालिक को एक्सीडेंट की सूचना दी। जिसके बाद उसे उपचार के लिए पहले स्थानीय नागरिक अस्पताल और फिर रोहतक पीजीआई ले जाया गया। जहां वह उपचाराधीन है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

> खराबी आने पर ट्रक को देखने के लिए उतरा तो दूसरे ट्रक ने मारी टक्कर

पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, लोगों ने दिखाया उत्साह

पहले दिन 56,980 को पिलाई दो बूंद जिंदगी की

- जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना ने अभियान का किया शुभारंभ
- स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर घर जाकर भी बच्चों को दवा पिलाने का कार्य करेंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। शहर के एक बूथ पर बच्चे को पोलियो रोधी खुराक पिलाते हुए स्वास्थ्यकर्मी।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत जिले में रविवार को व्यापक स्तर पर पोलियो रोधी दवा पिलाने का अभियान चलाया गया। स्थानीय नागरिक अस्पताल में जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना ने बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान लोगों ने भी उत्साह के साथ बच्चों को पोलियो की खुराक पिलवाई।

उन्होंने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए प्रत्येक अभिभावक की जिम्मेदारी है कि वह 0 से 5 वर्ष तक के अपने बच्चों को पोलियो रोधी खुराक दिलवाएं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीमों के प्रयासों की सराहना करते हुए आमजन से अभियान में सहयोग करने की अपील की। सीएमओ डॉक्टर मंजू कादियान ने बताया कि अभियान के पहले दिन जिले में 56,980 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई गई। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि जो बच्चे किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके हैं, उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर पोलियो रोधी खुराक अवश्य दिलवाएं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर भी बच्चों को दवा पिलाने का कार्य करेंगी।

जिले में 600 बूथों पर चलाया गया अभियान

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉक्टर बसंत दूबे ने बताया कि जिले में 1,26,104 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 600 बूथ, 21 ट्रांजिट टीमें, 109 मोबाइल टीमें तथा 150 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। मोबाइल और ट्रांजिट टीमें दूर-दराज क्षेत्रों, ईंट-भट्टों, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिला रही हैं।

भदाना में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आज

झज्जर। सीटीएम रितु ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक माह आयोजित किए जाने वाले रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन इस बार सोमवार को गांव भदाना स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीसी वर्षा खांगवाल करेंगी। उन्होंने बताया कि डीसी ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनेंगी तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे, जिससे ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा, जहां नागरिकों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया जाएगा।

रितु, सीटीएम झज्जर।

दोपहर को अचानक मौसम ने ली करवट

दिनभर तेज धूप ने सताया फिर शाम को आई आंधी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

रविवार सुबह से उमस और चिलचिलाती गर्मी ने लोगों को परेशान कर रखा था। लेकिन दोपहर को अचानक मौसम ने ऐसी करवट ली और अचानक काले घने बादल छा गए। आसमान में अंधेरा सा छा गया और तेज धूल भरी आंधी चलने लगी। इससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक 2 जुलाई के बीच रुक-रुक कर बारिश देखने को मिलेगी। तब तक दिल्ली-एनसीआर और पंजाब-हरियाणा में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि 3 जुलाई से मानसून की बारिश दस्तक दे सकती है।

बेरी में हुई बारिश

झज्जर। रविवार दिनभर सूर्य देव के तेवर तल्ख रहे। चिलचिलाती धूप के कारण लोगों का जीना मुहाल रहा। जिसके कारण दिनचर्या प्रभावित रही और लोगों को अपने रोजमर्रा के कार्य करने में भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दोपहर के समय स्थिति यह रही कि सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और लोग अपने घरों में दूबकने को मजबूर रहे। लेकिन सांय होते होते एकाएक मौसम का मिजाज बदला और आसमान में बादल छा गए और तेज आंधी चलने लगी। वहीं कस्बा बेरी में करीब एक घंटे तक तेज बारिश हुई। जिसके कारण लोगों को गर्मी से आंशिक राहत मिली।

जुम्मन जब हज करने गए थे , तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है।
- ***मुंशी प्रेमचंद***

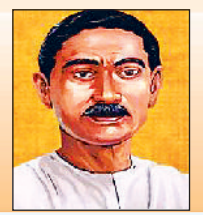

कहानी

आशा खत्री 'लता'

मेरा बच्चा कहां है

कल दोपहर से बूंदाबांदी हो रही थी। ऐसे में गली के कुत्ते भी प्रातः नजर नहीं आये तो मैं उनकी रोटी की प्लेट अंदर रख गयी। गोशाला से आने के बाद भी वे नहीं दिखे।

अपने बच्चे को न पाकर वह विचलित सी बाहर भाग गई। शायद अब भी एक मां की तरह उसे आस थी कि उसका बच्चा यहीं-कहीं मिलेगा। उस लाचार मां की बेचैनी मेरे हृदय को बेध रही थी।

मैं रसोई में व्यस्त थी कि पड़ोस में रहने वाली मधु का फोन आया-

"दीदी जी, ये छोटा पिलूरा गाड़ी के टायर से थोड़ा चोटिल हो गया है। कृपया आप मुझे पशु पीड़ित संघ का मोबाइल नंबर दे दीजिए।"

"ओह! अरे ये कैसे हो गया? अभी देती हूं।"

मैंने तुरन्त सम्बन्धित नम्बर उसे वाट्सऐप कर दिया। मधु की आवाज से ही पता चल रहा था कि वह बहुत परेशान है। ऐसे किसी भी घटनाक्रम पर वह सबसे पहले और सबसे अधिक बेचैन होती है। अतः मैं पिल्ले और मधु दोनों की अवस्था का ध्यान करते हुए तुरन्त बाहर भागी। वहां पहुंचकर मैंने देखा कि गली में खेलने वाले लगभग चार महीने के श्वान-शावकों में से अन्तिम बचा हुआ भूरू अचेत पड़ा है। हमने उसे सचेत करने की कोशिशें की। कुछ प्रयास के बाद उसने आंखें खोली तो मैंने उसे प्यार से दुलारते हुए उठने को प्रेरित किया। दरअसल, यह पिलूरा हमारे पालतू शित्जु ओकू का दोस्त बन गया था। सबके मना करने के बावजूद मैं उन दोनों को साथ खेलने देती थी। ओकू सवा साल का हो गया था। उसकी नस्ल के कुत्तों का अधिकतम कद उसने पा लिया था फिर भी वह उस चार माह के बच्चे से छोटा दिखता था। वे दोनों जब खिलारी करते तो मेरे मन को ओकू की प्रसन्नता देख सन्तोष होता। इसी कारण वह अन्य पिलूरों से अधिक प्रिय हो गया। सुबह-शाम रोटी डालते हुए मैं उसका विशेष ध्यान रखती। इस समय वही भूरू मरणासन्न अवस्था में सामने था। गाड़ी का टायर उसके ऊपर से गुजर गया प्रतीत हो रहा था। हालांकि खून वगैरह नहीं निकला था, परन्तु पिछली दोनों टांगें निष्प्राण दिख रही थी।

मधु उसके लिए पानी लाई। उसने पीने की कोशिश भी नहीं की। उसकी मां, पिता और दूसरे साथी उसे देखने आये और वापस लौट गए। जैसे किसी घर में कुछ हुआ देखकर पड़ोसी झांककर निकल जाते हैं। इस बीच मैंने पशु पीड़ित संघ को फोन कर दिया। जगह बताई तो उसने अभी पहुंचने का आश्वासन दिया। पिल्ला बहुत प्रेरित करने पर उठने का प्रयास करने लगा। उसकी अगली दोनों टांगें सही थी, परन्तु पिछली टांगें मात्र घिसट रही थी, वह थोड़ा सरककर अंततः बैठ गया। लगभग दस मिनट में कुत्ता उठाने वाली गाड़ी आ गयी। वह एक छोटी जालीदार गाड़ी थी। उसमें से जो व्यक्ति उतरा, उसे देखकर भूरू दर्द में होने के बावजूद पास ही खड़ी एक गाड़ी के नीचे सरक गया। तब तक उसके अन्य साथी भी वहां एकत्रित हो गए और जोर-जोर से भौंकने लगे। जैसे उन्हें उसके आने के तात्पर्य का आभास हो गया हो। गाड़ी वाले ने रस्सी बन्धा हुआ एक लोहे का डंडा जो आगे से मुड़ा हुआ था, निकाला और उसकी मदद से घायल भूरू को कार के नीचे से बाहर खींच गाड़ी में डाला। उसके साथियों ने विरोधस्वरूप भौंकना और तेज कर दिया। ज्ञात होते हुए भी हमने अनुरोध किया कि इसके ठीक हो जाने के बाद इसे यहीं छोड़ जाना भइया। कुछ उसके प्रति स्नेह, चोट लगने की आत्मग्लानि और उसकी मां की बेचैनी देखकर हमारा ऐसा कहना स्वाभाविक ही था।

मैंने उसे कह दिया था कि मैं कल सुबह इसे देखने आऊंगी। अतः इसका टैग वगैरह ठीक से लगा देना। गाड़ी आने से पहले मैंने उसकी छोटी सी वीडियो बना ली थी। गाड़ी वाला दरवाजा बंद कर चालक शीट पर आ गया। गाड़ी चल दी तो गली के कुत्ते पीछे दौड़ पड़े। मैं उन मूक जीवों की असहायता पर नम आंखों से मन परिवर्तन के लिए घर के बाहर स्थित छोटे से बगीचे का जालीदार किवाड़ खोलकर पेड़-पौधों को देखने लगी। तभी भूरू की मां तेजी से आयी और गमलों के आस-पास खोजने लगी। अपने बच्चे को न पाकर वह विचलित सी बाहर भाग गई। शायद अब भी एक मां की तरह उसे आस थी कि उसका बच्चा यहीं-कहीं मिलेगा। उस लाचार मां की बेचैनी मेरे हृदय को बेध रही थी। मेरी दिनचर्या है कि मैं नित्य प्रातः छः बजे पड़ोस में रहने वाली अनुपमा के साथ पशु पीड़ित शाला में जाती हूं। हम वहां गायों को रोटी देने के अतिरिक्त चारा खिलाकर पानी पिलाते हैं। हम उक्त संस्थान के उस हिस्से में जाते हैं, जहां अत्यधिक पीड़ित, बीमार, घायल पशु रखे जाते हैं। यहां अधिकांश गायें, बछड़े-बछड़ी और नन्दी आदि के साथ एक कटड़ा, दो गधे, दो बकरी तो काफी दिनों से हैं, कुछ नील गाय के बच्चे भी हैं। पशु स्वस्थ हो जाये तो दूसरे परिसर में भेज दिए जाते हैं। यह नहर के साथ बना हुआ है और नहर की दूसरी पटरी के निकट कुतों, बन्दरों व पक्षियों का आश्रयस्थल है। इसमें अनेक पक्षी, बन्दर, खरगोश तथा सैकड़ों कुत्ते हैं। यह सब एक संकल्पी, दयावान व्यक्तित्व द्वारा मूक जीवों के लिए बनाया हुआ आश्रयस्थल है। मैंने रास्ते में इस घटना का पूरा विवरण अनुपमा को बताया। अपने दैनिक कार्य से निपटकर जब हम बाहर आये तो मैंने भूरू को देखने की बात कही। वह सहर्ष तैयार हो गई। नहर पर पुल निर्माण के चलते हम जानकारी के अभाव में दूसरे पुल से घूमते हुए काफी लम्बे रस्ते से श्वान-शाला पहुंचे। वहां अपने कार्य में तल्लीन कुर्सी-मेज पर बैठे युवक से मैंने भूरू के बारे में बताते हुए उसकी हालत की जानकारी चाही। हमने देखा कि उसके मोबाइल में कल की ही तारीख में ऐसे कई कुत्तों की वीडियो थी। उसने जिस कुत्ते का चित्र दिखाया, वह भूरू से कुछ भिन्न था। ऐसे में मैंने उसकी जो वीडियो बनाई थी, वह काम आयी। मैंने उसे दिखाया तो उसने बताया कि इसका टैग नम्बर 45702 है।

हमारे आग्रह पर वह हमें उससे मिलवाने ले चला। गलियारे के दोनों ओर जालीदार बाड़ लगे परिसर में कुत्ते घूम रहे या लेटे-बैठे थे। हमें उनमें भुरू कहीं नहीं दिखाई दिया। गलियारा समाप्त होने के बाद खुले में कुछ कुत्तों को पसरे देखा।

"अरे, ये रहा हमारा भूरू" मैंने एक की ओर संकेत कर कहा।

"यह कुछ बड़ा नहीं है क्या?" अनुपमा ने शंका जताई।

"नहीं अनुपमा, यही भूरू ही है, लेटा हुआ लम्बा लग रहा है।" मैंने उसकी शंका दूर की।

हमारी बातचीत के दौरान ही उस युवक ने टैग जांचा तो वह भूरू ही था। उसमें कोई हरकत न देख मैं बोल पड़ी-

"ये ऐसे निश्चेष्ट क्यों पड़ा है ?"

"यह जिन्दा नहीं है, मैम।"

"परन्तु मुझे तो यह सोया हुआ लग रहा है ?"

"सॉरी मैम, हम इसे नहीं बचा पाये। आन्तरिक चोट बहुत गहरी थी।" भूरू नहीं रहा, यह जानकर मन अत्यधिक व्यथित हो उठा। उसकी निष्प्राण देह के समक्ष अपनी संवेदनाएं और पछतावा व्यक्त कर मैंने उसकी फोटो ली। अभी कुछ महीने पहले भी हमारी गली का ही एक कुत्ता जो भूरू से पहले इसकी मां से जन्मा था, डिस्टेम्पर की बीमारी से चल बसा था। वह शायद सात-आठ माह का रहा होगा। वह भी ओकू का बहुत प्यारा दोस्त था। वे दोनों गेट पर बैठकर जैसे बतियाते थे, खेलते थे।

मैंने उसको अंतिम बार जब पिंजरे में लेटे देखा था, वही कारुणिक दृश्य स्मरण हो आया। तभी एक युवक को बुरी तरह से घायल कुत्ते की मरहमपट्टी करते देख मन को कुछ चैन मिला। कुत्ते की मौत बहुत कष्टदायी होती है। परन्तु इन सेवकों के सहारे ये स्वस्थ होते हैं या सम्भाल के साथ जीवन पूरा करते हैं। हम लौट रहे थे तो देखा कि हम छोटे रास्ते पर ध्यान न देते हुए बिना किसी से पूछे लगभग एक किलोमीटर का रास्ता तय करके आए थे। क्योंकि भूरू से मिलने की उत्कट चाह में इस ओर ध्यान ही नहीं गया। वापसी पर मैं और अनुपमा दुखी मन से भूरू और उसके परिवार की बातें करते रहे। हमें लग रहा था कि बढ़ते वाहन मानव सहित अन्य प्राणियों की भी मौत या अपंगता का कारण बनते जा रहे हैं। घर पहुंची तो एक विवश मां की ममता ने मेरी हृदयतन्त्री को झिंझोड़कर रख दिया।

कल दोपहर से बूंदाबांदी हो रही थी। ऐसे में गली के कुत्ते भी प्रातः नजर नहीं आये तो मैं उनकी रोटी की प्लेट अंदर रख गयी। गोशाला से आने के बाद भी वे नहीं दिखे। अब भोंकने की आवाज सुनकर बाहर निकली तो कुछ दूर भूरू की मां और उसकी साथिन दिखाई दी। पुकारा तो दोनों दौड़ी आई। मैंने उनके सामने दही लगे रोटी के टुकड़े रखे। बड़ी ने तुरंत खाने शुरू कर दिए, परन्तु भूरू की मां ने उनकी ओर देखा भी नहीं। वह मुझे चकित करते हुए घर में घुसी और आंगन में किसी को खोजने लगी और न पाकर उदास, मायूस मेरी ओर मुंह उठाकर खड़ी हो गई, जैसे मुझसे पूछ रही हो-

'मेरा बच्चा कहां है?... कल तुमने भिजवाया था न ? तो आज उसे लेकर क्यों नहीं आई?'

मैं उसकी निरीह आंखों का सामना नहीं कर पा रही थी। तभी वह मेरे पांवों को सूंघने लगी। उसकी आंखों में दर्द ही दर्द था। होता भी क्यों न! चार बच्चों में से अकेला भूरू ही तो बचा था, वह भी इन्सानों की बेपरवाही से अकाल कालकवलित हो गया। मैंने कुछ देर उसका सिर सहलाया, फिर उदास मन और बहते आंसुओं के साथ दरवाजा खुला छोड़ अंदर चल दी।

पुस्तक समीक्षा

'नन्ही कहानियां बड़े काम' सराहनीय प्रयास

समीक्षक

डॉ मधुकांत

डॉ. अंजना गर्ग द्वारा लिखित पुस्तक 'नन्ही कहानियां बड़े काम' बाल साहित्य के क्षेत्र में एक सराहनीय प्रयास है। यह पुस्तक केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि बच्चों के कोमल मन में नैतिक मूल्यों और संस्कारों के बीज बोने का एक सशक्त माध्यम है। लेखिका ने अपने अनुभवों को कहानियों के रूप में पिरोया है, जो उनकी संवेदनशीलता और बच्चों के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है। पुस्तक की शुरुआत एक भावुक भूमिका से होती है, जहां लेखिका स्पष्ट करती हैं कि बचपन केवल एक उम्र नहीं, बल्कि मन का एक संसार है। उन्होंने अपनी मां से सुनी कहानियों और बच्चों के साथ बिताए वक्त को अपनी प्रेरणा बताया है। पुस्तक में कुल 15 कहानियां संकलित हैं, जिनमें 'होली की मिठास', 'काकी की बकरी', 'मेहनती चिड़िया' और 'सच्ची दोस्त' जैसे शीर्षक शामिल हैं। ये कहानियां रोजमर्रा की घटनाओं से जुड़ी हैं, जिससे बच्चे आसानी से जुड़ाव महसूस कर पाते हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रथम कहानी 'होली की मिठास' भाई-बहन के बीच के मनमुटाव और फिर सुलह की एक बेहद प्यारी कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे छोटे बच्चों से अनजाने में गलती हो जाती है और फिर वे अपनी मासूमियत से उस गलती को सुधार कर बड़ों का दिल जीत लेते हैं। यह कहानी बच्चों को माफी माँगने और मिलजुल कर त्योहार मनाने की प्रेरणा देती है। इसी तरह अन्य कहानियां भी परोपकार, त्याग, लालच से बचाव और मेहनत जैसे महत्वपूर्ण जीवन मूल्यों को सरल भाषा में समझाती हैं। पुस्तक की भाषा अत्यंत सरल, सुबोध और प्रवाहमय है। छोटे वाक्यों का प्रयोग किया गया है ताकि बच्चे स्वयं भी इसे पढ़ सकें और समझ सकें। कहानियों का परिवेश भारतीय है, जो बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ता है। पुस्तक का आकर्षक आवरण और भीतर दिए गए श्वेत-श्याम चित्र कहानियों को जीवंत बनाते हैं। चित्र बच्चों की कल्पनाशीलता को विस्तार देते हैं और उन्हें कहानी के पात्रों के करीब ले जाते हैं। कौशिक पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का मुद्रण साफ-सुथरा है। 'नन्ही कहानियाँ बड़े काम' अपने नाम को सार्थक करती है—ये कहानियाँ भले ही नन्ही और संक्षिप्त हैं, लेकिन इनका प्रभाव बच्चों के चरित्र निर्माण में बहुत बड़ा और दूरगामी सिद्ध हो सकता है। यह पुस्तक विशेष रूप से प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी है। यह पुस्तक हर उस घर और पुस्तकालय का हिस्सा होनी चाहिए जहाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जाती है। यह नन्हे मन को बड़े सपने देखने की प्रेरणा देने वाली एक उत्कृष्ट कृति है।

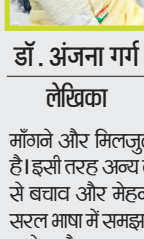

डॉ. अंजना गर्ग

लेखिका

कवि कॉर्नर

कविता

सुधीर ढांडा

छोटी-छोटी बातें

छोटी-छोटी बातों को लेकर रिश्ते टूट जाते हैं,
ये कैसी हवा चली पल में परिवार बिखर जाते हैं।

जरा सी भी सुनता नहीं कोई एक दूसरे की अब,
माँ बाप कुछ कह दे पल मे बच्चे रूठ जाते हैं।

हँसी मजाक करना भी छोड़ गए एक दूसरे से लोग
किसी से मजाक कर लिया तो लोग दुश्मन बन जाते हैं।

भाई से भाई इतना हो गया हैं दूर जैसे जानते ही नहीं
जमीं के छोटे टुकड़े को लेकर आपस में हो खून जाते हैं।

सोच आखिर कैसे बचेंगे ये आपसी रिश्ते सुधीर,
टूटते रिश्ते देखकर लिखने को हो मजबूर जाते हैं।

कविता

मनीषा मंजरी

दर्द की निरंतरता

ठहरना मुझको आता नहीं,
बहाव साथ ले जाता नहीं,
लहरें टकराती हैं मुझसे,
पर सागर पास बुलाता नहीं।

सूरज तो सजता है हर दिन क्षितिज पर,
लेकिन अंधेरों से मेरे लड़ पाता नहीं,
एक दीया चौखठ पर जलाऊं भी कैसे,
कि आँधियों को मेरी वो माता नहीं।

मोती उम्मीदों के मिलते हैं बहुत,
पर वो धागा चाहतों को बुन पाता नहीं,
खफा हो जाऊं अतीत से अब मैं,
पर पल आज का मुझको लुभाता नहीं।

शहर बारिश में डूबा पड़ा है, बस बादल है
की आँखों तक मेरी पहुँच पाता नहीं,
कहीं दूर एक बंजर भूमि खड़ी है,
भावनाओं का द्वन्द अब जिसे रुलाता नहीं।

एक धुंआ है जिसमे सबकुछ छुपा है,
और एक सच है जो कोई जान पाता नहीं,
कभी देख पाए खुद की गलती ये इंसा,
ऐसा शीशा किसी को नजर आता नहीं।

जिसे वीरानों की तालाब हो, महफिलों का
शोर उससे सहन हो पाता नहीं,
एक रास्ता है जिस पर साथ चलते तो सब
हैं, पर जो गिरे तो हाथ को बढ़ाता नहीं।

कहानी वो दिलचस्प बहुत थी कि,
वो किरदार खुद को अब बचाता नहीं,
दर्द की निरंतरता हीं ऐसी थी, कि जख्म
उसका कभी पूरा भर पाता नहीं।

देश का भविष्य मोबाइल की गिरफ्त में

बचपन

आसिम अनमोल

बच्चों की दुनिया कितनी मासूम हुआ करती थी। बच्चों को खुद नहीं पता होता था कि वो कब सोएंगे कब जागेंगे। क्या खाएंगे क्या पिएंगे। कितना चुप रहेंगे और कितना बोलेंगे। अपनी रूचि के अनुसार कहां घूमने जाएंगे और कहां नहीं। यह सब देवता समान माता पिता ही तय करते थे। माता पिता की हर एक आज्ञा का पालन बच्चों के द्वारा पूरी सहजता पूरे सम्मान से ख़ुशी ख़ुशी किया जाता था। आज के मशीनी युग में बच्चों की दुनियां को लेकर बच्चों की प्रायं घट रही हर गतिविधियों का हर दृश्य उल्टा-पुल्टा ही देखने को मिल रहा है। इसके पीछे अपने भविष्य को दांव पर लगाते बच्चों का मोबाइल की दुनियां में निरंतर चिपके रहना अपने आपमें बहुत ही दुःखद है।

बच्चे जिनका कोमल मन यह समझने में सक्षम ही नहीं है कि जिस डिजिटल दुनियां में वो खोए हुए हैं ,वो सारी वर्चुअल व्यवस्था ही बच्चों की सोचने-समझने की सलाहियत और मानसिकता को पूरी तरह तहस नहस कर रही है। बच्चों की नाजुक मानसिकता पर जब इस बिते भर के मोबाइल का सुनियोजित तरीके से गलत प्रभाव पड़ता है ,तो बच्चे यह सोचने में पूरी तरह नाकाम हो जाते हैं कि उनके भविष्य के साथ ऐसा खिलवाड़ हो सकता है जिसकी भरपाई बरसों बरस तक नहीं की जा सकती। बच्चों के जीवन को पूरी तरह हाइजेक कर रहा मोबाइल अब अपनी मर्ज़ी से बच्चों को बिगाड़ने पर

आमादा है। इसी कारण बच्चें भी पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगा पा रहे हैं ,और बच्चों की शिक्षा बुरी तरह बाधित हो रही है।

सर्वे बताते हैं कि आधुनिकता में खोए हुए आज के आधुनिक बच्चे घरेलू खेलों से दूर होते जा रहे हैं। जो बच्चे पहले प्ले ग्राउंड में खेलने जाते थे। लूडो ,कैरम , आइस पास , इंडोर गेम में दिलचस्पी लेते थे। आज वो स्मार्ट फ़ोन से चिपके रहते हैं। माता-पिता की जरूरी आवाजे भी उनके कानों को बुरी लगती हैं। मोबाइल के अंधे प्रेम के आगे बच्चे अपने माता-पिता का खुलेआम अनादर कर रहे हैं। बच्चों को अपने आसपास हो रही क्रिया कलाप से भी कोई मतलब नहीं रहता। आजकल के बच्चे स्क्रीन स्क्रॉल के एडिक्ट होते जा रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स यानी छोटे-छोटे तकनीकी उपकरण ने हर उम्र के लोंगो की जिंदगी तबाह कर दी है। इसीलिए बच्चों के अंदर तनाव, चिंता, चिड़चिड़ापन और अवसाद बच्चों के बिहेवियर में साफ़ दिख रहा है। आज के बच्चे इतने स्क्रीन डोमिनेटेड लाइफ स्टाइल के गुलाम होते जा रहे हैं कि वे अलग तरीक़े से कुछ कम्युनिकेट करना चाहते हैं। आखिर ऐसी कौन सी बातचीत है जो बच्चे आज के समय में जीवन को खतरे में डालकर करना चाह रहे हैं।

वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर बिखरी हल्की सामग्री बच्चों के दिलों दिमाग़ पर बहुत ग़लत प्रभाव डाल रही है। यही मुख्य कारण है कि बच्चे अपने ही माता-पिता से नज़दीकी का एक अच्छा रिश्ता नहीं बना पा रहे हैं। बच्चों का बाल मन जो अपने अभिभावक के द्वारा दी गई अच्छी परवरिश की तरफ़ आकर्षित होना चाहिए, वो नाजुक बाल मन मोबाइल चलाने की प्रतिस्पर्धा में ख़र्च हो रहा है। सोचनीय प्रश्न है ऐसी स्थिति में जो बच्चें मानसिक रूप से पूरी तरह हार रहे हैं, उनके क़ीमती जीवन स्तर को विजय के शिखर तक पहुंचाने की बहुत बड़ी एक पारिवारिक और सामाजिक चुनौती सामने आ गई है। बच्चों की दुनियां जो मोबाइल तक सिमट रही है उसके पीछे बच्चों का ज्यादा देर तक रात को जागना भी जिम्मेदार है। बच्चों के अंदर स्मार्टफ़ोन का बढ़ता उपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। हाल ही में शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में साफ़ आया है कि छात्र-छात्राएं स्कूलों के दौरान भी मोबाइल का उपयोग करने से नहीं हिचक रहे हैं। बच्चों द्वारा पाठ्यक्रम कम पढ़ा जा रहा है।

मोबाइल के अंदर आभासी दुनिया की हिंसक सामग्री की स्टडी बड़ी जिम्मेदारी से की जा रही है। शिक्षण संस्थानों तक में बच्चों की नजरे मोबाइल पर प्रति दिन लगभग सत्तर - पचहत्तर बार जाती हैं, जो बच्चों के हित में नहीं कही जा सकतीं। इन सब चीजों से बच्चों का अध्ययन , प्रदर्शन ,ध्यान , और आत्म विश्वास बुरी तरह कमज़ोर होता है। इससे बच्चों की पढ़ाई करने के फोकस पर भी पूरी तरह से ध्यान हट जाता है। कुल मिलाकर बच्चों के संस्कारिक जीवन को बचाना है तो आधुनिक और आभासी दुनियां के बारे में बच्चों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है।

बच्चों के अंदर मोबाइल देखने की ललक को आप त्वरित ठीक नहीं कर सकते। इसके लिए बच्चो के अंदर संतुलित और डिजिटल अनुशासन के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी है।

कुछ हटकर

एसईओ कंटेंट राइटिंग: डिजिटल युग का सबसे उभरता करियर

सेंट्रल डेस्क

डिजिटल दुनिया के विस्तार के साथ आर्ट और मानविकी के छात्रों के लिए भी रोजगार के नए अवसर तेजी से उभर रहे हैं। इनमें एसईओ (सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन) कंटेंट राइटिंग युवाओं के लिए एक आकर्षक करियर विकल्प बनकर सामने आया है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां भाषा पर पकड़, रचनात्मक सोच और डिजिटल तकनीक की समझ का मेल होता है। आज कंपनियां, मीडिया संस्थान और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अपनी ऑनलाइन मौजूदगी मजबूत करने के लिए एसईओ कंटेंट राइटर्स की तलाश कर रहे हैं। ऐसे में कला और मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए यह क्षेत्र रोजगार और स्वरोजगार दोनों की बेहतरीन संभावनाएं प्रदान करता है।

ये है अर्थ

एसईओ कंटेंट राइटिंग वह प्रक्रिया है, जिसमें ऐसा लेख, ब्लॉग या वेब कंटेंट तैयार किया जाता है जो पाठकों के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ गूगल जैसे सर्च इंजन में भी बेहतर रैंक प्राप्त कर सके।

12वीं के बाद रोडमैप

बीए या कोई भी स्नातक कोर्स करें। एसईओ और डिजिटल मार्केटिंग का ऑनलाइन कोर्स करें। ब्लॉग लिखने की नियमित प्रैक्टिस करें।

मुख्य कार्य

- ब्लॉग और आर्टिकल लिखना
- वेबसाइट कंटेंट तैयार करना
- कीवर्ड का सही उपयोग
- मेटा टाइटल व डिस्क्रिप्शन बनाना
- कंटेंट को सर्च इंजन के अनुसार ऑप्टिमाइज करना

आवश्यक कौशल

- हिंदी या अंग्रेजी भाषा पर मजबूत पकड़
- रिसर्च करने की क्षमता
- डिजिटल मार्केटिंग की बुनियादी समझ
- कीवर्ड रिसर्च का ज्ञान
- रचनात्मक और सरल लेखन शैली
- एआई टूल्स के साथ काम करने की क्षमता

रोजगार के अवसर

- न्यूज वेबसाइट और मीडिया हाउस
- डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियां
- ई-कॉमर्स कंपनियां
- हेल्थ और एजुकेशन पोर्टल
- स्टार्टअप कंपनियां
- कॉर्पोरेट वेबसाइट-ब्लॉगर

आय-सीमा :

- फ्रेशर 15,000 से 25,000 रुपये-2-3 वर्ष अनुभव 30,000 से 50,000 रुपये-अनुभवी प्रोफेशनल 60,000 से 1 लाख से अधिक-फ्रीलांसर 500–5000 रुपये प्रति लेख-अनुभवी लेखक 50,000–1 लाख+ मासिक भी कमा सकते हैं।

क्यों बढ़ रही मांग

- इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में तेजी से वृद्धि
- डिजिटल मार्केटिंग का बढ़ता बाजार
- ऑनलाइन कारोबार का विस्तार
- हिंदी कंटेंट की बढ़ती मांग
- एआई के दौर में भी गुणवत्तापूर्ण मानवीय लेखन की जरूरत

आने वाले वर्षों में डिजिटल कंटेंट की मांग और बढ़ेगी। ऐसे में एसईओ कंटेंट राइटिंग रोजगार परक विकल्प के साथ ही रचनात्मक युवाओं के लिए घर बैठे करियर बनाने का भी सशक्त माध्यम बन सकता है।

मोटिवेशनल

दूसरों की चमक में अपनी पहचान मत खोइए

डॉ. रोहित बंसल

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का दौर तुलना का दौर बन गया है। जैसे ही हम सोशल मीडिया का इस्तेमाल शुरू करते हैं, हमें लोगों की कामयाबी, विदेश भ्रमण, नई गाड़ियां या उनकी आलीशान लाइफ स्टाइल दिखने लगती है। अनजाने में ही हम अपनी जीवनशैली की तुलना दूसरों के साथ करने लगते हैं। मन में यह विचार आने लगता है कि शायद हम पिछड़ रहे हैं, हमारी कामयाबी छोटी है और हमारा जीवन उतना खास नहीं है। मगर वास्तविकता यह है कि हर चमकती फोटो के पीछे एक ऐसी कहानी छिपी होती है, जिसे लोग नहीं देख पाते। दूसरों की सफलता से प्रेरणा लेना सही है, पर इस वजह से अपना आत्मविश्वास और अपनी पहचान खो देना एक बड़ी गलती है। तुलना करने का सबसे बुरा असर यह होता है कि यह धीरे-धीरे हमारी खुशियाँ छीन लेती है। जब हम लगातार दूसरों की सफलता को ही जीवन का मानक मान लेते हैं, तब हम अपने पास मौजूद चीजों का लुत्फ उठाना भूल जाते हैं। यह समझना बहुत जरूरी है कि हर इंसान का जीवन, हालात और उसकी राह अलग होती है। कोई इंसान कम उम्र में कामयाब हो जाता है, तो कोई लंबा संघर्ष करने के बाद अपनी मंजिल पाता है। इसलिए किसी दूसरे की उपलब्धियों के आधार पर अपने जीवन को आंकना सही नहीं है। जिंदगी कोई मुकाबला नहीं है जहाँ सबको एक ही समय पर एक ही लक्ष्य पाना हो। आज के समय में जरूरत इस बात की है कि हम दूसरों से मुकाबला करने के बजाय अपने बीते हुए कल से मुकाबला करें। यदि हम कल के मुकाबले आज बेहतर सोच रहे हैं, नया सीख रहे हैं और एक बेहतर इंसान बन रहे हैं, तो यही असली सफलता है। जब हम अपनी खूबियों को पहचानते हैं और अपनी कमियों को अपनाते हैं, तब हम दूसरों की चमक से प्रभावित होने के बजाय खुद को और बेहतर बना पाते हैं।जीवन की वास्तविकता यही है कि हर व्यक्ति खास है। हमारी पहचान केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि हमारे विचारों, मूल्यों, व्यवहार और जीने के ढंग से होती है। इसलिए दूसरों की चमक देखकर खुद को छोटा न समझें। अपने सपनों पर भरोसा रखें, अपने सफर का आदर करें और अपनी छोटी-बड़ी प्रगति का आनंद लें।

लघु कथा

जाहिल

कायनात की मैटरनिटी लीव समाप्त हो चुकी थी। आज उसे सरकारी अस्पताल में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ के रूप में फिर से ड्यूटी जॉइन करनी थी। सुबह की भागदौड़ में वह अपनी नन्ही बेटी अदा को भी तैयार कर रही थी। टिफिन पैक करते हुए उसने पति जहीर से कहा, "प्लीज, मेरी हेल्प कर दो और अदा का डायपर बदल दो।"

जहीर ने हिचकिचाते हुए मना कर दिया।

प्रतिभा सुमन 'रजनीगंधा'

कहानीकार

कायनात ने सोचा कि शायद वह इस काम में सहज नहीं है, इसलिए बिना बहस किए उसने स्वयं बेटी को तैयार किया, बेबी बैग उठाया, टैक्सी बुलाई और अस्पताल चली गई। लेकिन जहीर का व्यवहार उसके मन में दिनभर सवाल बनकर घूमता रहा।

रात को उसने शांत स्वर में पूछा, "सुबह तुमने अदा का डायपर बदलने से इनकार क्यों किया?"

जहीर का उत्तर सुनकर कायनात के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। उसकी बातों से उसे महसूस हुआ कि पति की सोच असामान्य और अत्यंत चिंताजनक है। उसने यह भी समझ लिया कि यह केवल एक घरेलू बहस नहीं, बल्कि उसकी बेटी की सुरक्षा और भविष्य का प्रश्न है। कायनात ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन जहीर अपनी बात पर अड़ा रहा। उस क्षण कायनात के सामने पत्नी होने से पहले एक माँ का दायित्व खड़ा था। उसने बिना देर किए अदा के कपड़े समेटे, टैक्सी बुलवाई और बेटी को गोद में लेकर घर छोड़ दिया। पूरे रास्ते वह अदा को सीने से लगाए रही। उसकी आंखों में आँसू थे, लेकिन मन में एक दृढ़ विश्वास भी था कि किसी भी मां के लिए अपने बच्चे की सुरक्षा सबसे बड़ा धर्म है। उसने अपने पिता को फ़ोन मिलाया और उनसे सहायता मांगी। कायनात जानती थी कि यह निर्णय आसान नहीं है। एक परिवार टूट रहा था, लेकिन वह यह भी समझ चुकी थी कि जहां विश्वास समाप्त हो जाए और बच्चे की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग जाए, वहां समझौता नहीं, साहस आवश्यक होता है। कभी-कभी जीवन की सबसे कठिन राह ही भविष्य की सबसे सुरक्षित मंजिल बन जाती है।

खबर संक्षेप

महर्षि दुर्वासा तीर्थ स्थल पर हवन एवं भंडारा आज

झज्जर। क्षेत्र के गांव दूबलधन स्थित महर्षि दुर्वासा तीर्थ स्थल सोमवार को हवन व विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। महर्षि दुर्वासा विकास सेवा समिति व ग्राम पंचायत द्वारा दूबलधन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजन की शुभारंभ प्रातः सवा चार बजे पवित्र तीर्थ स्नान से होगा। इसके बाद सुबह सवा आठ बजे यज्ञ तथा सवा दस बजे विशाल भंडारे का का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालु शिरकत करेंगे।

एमडीयू के हॉस्टल से चोरी पंखों के साथ युवक पकड़ा

रोहतक। एमडीयू हॉस्टल से चुराए गए दस पंखों के साथ एक युवक को विद्यार्थियों ने रंगे हाथ दबोच लिया। युवक के पास से दिल्ली नंबर की गाड़ी थी, जिसमें उसने चोरी किए गए सभी पंखे छुपाकर रखे हुए थे। कैंपस में कुछ विद्यार्थियों को एक युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। उन्होंने उसे घेरकर उसकी गाड़ी की तलाशी ली तो उसमें हॉस्टल से चुराए गए 10 पंखे बरामद हुए। छात्रों ने सूचना यूनिवर्सिटी प्रशासन और सुरक्षाकर्मियों को दी। इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब पकड़े गए आरोपी की गाड़ी की बारीकी से जांच की गई। गाड़ी में यूनिवर्सिटी का ही एक आईकार्ड बरामद हुआ है।

लव-कुश फुटबॉल लीग के विजेताओं को किया सम्मानित

लोवा खुर्द में हुई लीग के दौरान 35 टीमों के 320 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव लोवा खुर्द में सात सप्ताह तक चली लव-कुश फुटबॉल लीग का भव्य समापन हो गया। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक राजेश जून ने विजेता टीमों और खिलाड़ियों को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में 35 टीमों के 320 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और चार आयु वर्गों में कुल 114 मुकाबले खेले गए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक राजेश जून ने कहा कि हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा खेल ग्रेडेशन नीति में किए गए बदलाव से खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में भी अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल के साथ-साथ शिक्षा पर भी समान रूप से ध्यान देने का आह्वान किया। विधायक राजेश जून ने प्रतियोगिता के 50 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया तथा खेल समिति को 11 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की। विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट अनिल खत्री और साई पटियाला के पूर्व चीफ कोच रोहित पराशर मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। विजेता फुटबॉल टीमों को सम्मानित करते विधायक राजेश जून।

फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में बहादुरगढ़ सिटी का दबदबा

फाइनल मुकाबलों में अंडर-8 वर्ग में चरखी ने बहादुरगढ़ सिटी को 3-2 से हराया। अंडर-11 वर्ग में भापड़ोदा और जसोर खेड़ी के बीच मुकाबला 3-3 से बराबरी पर छूटने के बाद पेनल्टी शूटआउट में भापड़ोदा विजेता रहा। अंडर-13 वर्ग में बहादुरगढ़ सिटी क्लब और जसोर खेड़ी के बीच मैच ड्रॉ होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में बहादुरगढ़ सिटी ने बाजी मारी। अंडर-15 वर्ग के फाइनल में बहादुरगढ़ सिटी ने लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब को 5-1 से हराकर ट्रॉफी जीती। लोवा खुर्द की ओर से प्रियांशु ने एक गोल किया, जबकि बहादुरगढ़ की ओर से ध्रुव ने दो तथा रुद्र, आदित्य और समीर ने एक-एक गोल दागा। कोच सुदर्शन ने बताया कि गांव लोवा खुर्द में अब तक एक हजार से अधिक फुटबॉल मैचों का सफल आयोजन हो चुका है। समारोह में गांव के सरपंच विनोद जून, कमेटी प्रधान नरेश कुमार ने सभी का स्वागत किया। इस दौरान मास्टर कुलदीप, एसआई बलवान कादयान, बिट्टू, कोच रितु रानी, कोच विनय, कोच आरती, संदीप, ललित मास्टर, संदीप खेड़ी जट, प्रमिल, लाला मास्टर, विक्की, प्रदीप, और संजय आदि उपस्थित रहे।

झज्जर। प्रतियोगिता के दौरान सम्मान हासिल करते हुए मुक्केबाज नैतिक।

केंद्रीय विद्यालय मुक्केबाजी में नैतिक ने जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

केंद्रीय विद्यालय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में महर्षि दयानंद सरस्वती खेल स्टेडियम के होनहार मुक्केबाज नैतिक ने स्वर्ण पदक जीत कर जिले का नाम रोशन किया है। बॉक्सिंग कोच हितेश देशवाल ने बताया कि नैतिक ने 25 जून से 28 जून तक हिसार में आयोजित इस प्रतियोगिता में यह पदक 33 किलोग्राम भारवर्ग में खेलते हुए प्राप्त किया। नैतिक ने पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट तकनीक, आत्मविश्वास और अनुशासन का परिचय देते हुए अपने सभी मुकाबलों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना, भाजपा नेता मनीष बंसल, सोमबीर अहलावत, चुन्नी लाल आदि ने बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विश्व जूनियर जूडो के लिए प्रियांशु का चयन

बहादुरगढ़। गांव बराही स्थित इंडोर स्टेडियम के होनहार जूडो खिलाड़ी प्रियांशु का चयन विश्व जूनियर जूडो चैंपियनशिप के लिए 100 किलोग्राम भारवर्ग में हुआ है। भोपाल स्थित साई में हुए ओपन चयन ट्रायल में शानदार प्रदर्शन कर प्रियांशु ने अजरबैजान के बाकू में होने वाली स्पर्धा में खेलने की उपलब्धि हासिल की। भाजपा जिला महामंत्री एवं जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने इस उपलब्धि पर प्रियांशु, उनके पिताजी राकेश तथा कोच बिजेंद्र को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। रविंद्र छिल्लर के अनुसार प्रियांशु ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का गौरव हासिल किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रियांशु विश्व जूनियर जूडो चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत का नाम रोशन करेगा।

तेरहवीं पर रमेश चंद्र को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वरिष्ठ पत्रकार राकेश पंवार के बड़े भाई एवं पत्रकार मनीष कुमार के पिता स्व. रमेश चंद्र की तेरहवीं कार्यक्रम में पहुंचकर अनेक लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। शहर के सत्यनारायण मंदिर में हुए कार्यक्रम में पूर्व विधायक नरेश कौशिक, भूपेंद्र नफे सिंह राठी, डॉ. पंकज जैन, सतीश नंबरदार, रमेश राठी, पार्षद रमन यादव, सचिन दलाल, शील भारद्वाज, विक्रम माहेश्वरी, प्रदीप तंवर, खेमचंद भारद्वाज, वीरेंद्र कौशिक, यशपाल हिंदुस्तानी, प्रवीण भारद्वाज, इंद्र राठी व मधुकांत वत्स समेत अनेक लोगों ने उनके निधन पर शोक जताया।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते मनोज कुमार।

महिलाओं को बताए बाल विवाह के दुष्परिणाम

झज्जर। गैर-सरकारी संगठन एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा रविवार को जिला स्तरीय बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण के लिए वॉइस ऑफ सर्वाइवर्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के जिला समन्वयक मनोज कुमार ने बताया कि जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले की बाल विवाह से बची लड़कियों तथा बचपन में बाल विवाह का शिकार हुई महिलाओं ने भाग लिया। उन्होंने अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि कम उम्र में विवाह के कारण उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता से जुड़ी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

बच्चों ने सीखे संस्कार, योग और कला

बहादुरगढ़। कैंप के समापन पर बच्चों के साथ भाविप पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भारत विकास परिषद की बहादुरगढ़ शाखा और विवेकानंद शाखा द्वारा सैंट स्टीफन स्कूल में लगाए गए 3 दिवसीय बाल संस्कार शिविर का रविवार को समापन हो गया। शिविर के दौरान बच्चों को मेहंदी लगाना, वेस्ट मेटेरियल से सुंदर कलाकृतियां बनाना, ओम का उच्चारण, योगाभ्यास, आर्ट एंड क्राफ्ट का प्रशिक्षण दिया गया। परिषद के प्रांतीय संरक्षक पवन जैन ने बच्चों को संस्कार ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। महिला थाना प्रबंधक नीलम देवी और एएसआई सरला देवी ने डायल 112, बच्चों के अधिकार और साइबर अपराधों की रोकथाम से संबंधित जानकारियां दी। जिला समन्वयक सतीश शर्मा ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्टेशनरी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुरारी लाल, रमेश गुप्ता, विजय पुन्हानी, नीरज गर्ग, सुनील बंसल, डॉ. सुभदा घरोटे, डॉ. श्रुति गुप्ता, रजनीश भारद्वाज, रमेश सुखीजा, संजय गर्ग, राजबाला, एश्वर्या, राहुल सिंघल, निशा आदि उपस्थित रहे।

इंग्लैंड के बीस शहरों में दौड़े जाट समाज के युवा

बहादुरगढ़। इंग्लैंड में दौड़ लगाते जाट समाज के युवा।

बहादुरगढ़। जाट समाज यूके ने इस वर्ष जाट मेला लंदन को एक अनोखे और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े अंदाज में मनाया। लंदन, स्कॉटलैंड की राजधानी ग्लासगो, वेलिंगबरो, रीडिंग, चेम्सफोर्ड और बोर्नमाउथ सहित बीस प्रमुख शहरों में यह दौड़ लगाई गई। समाज के संस्थापक काउंसलर रोहित अहलावत ने बताया कि इस अवसर पर समाज के लोगों ने इंग्लैंड के अलग-अलग बीस बड़े शहरों में दौड़ का आयोजन किया। लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। संजय देशवाल ने कहा कि ऐसी स्वास्थ्य जागरूकता मुहिम और नियमित 5 किलोमीटर दौड़ एक सकारात्मक उदाहरण बन सकती है।

भर्ती रैली जुलाई मध्य में संभव, सीईई परिणाम के बाद घोषित होंगी तिथियां

रोहतक। ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम का परिणाम आने के बाद आर्मी भर्ती कार्यालय रोहतक की ओर से भर्ती वर्ष 2027 के लिए सेना भर्ती रैली होगी। सेना भर्ती कार्यालय के अनुसार रैली जुलाई के मध्य में राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने की संभावना है। हालांकि भर्ती रैली की तिथियां सीईई परिणाम घोषित होने के बाद जारी होंगी।सेना भर्ती कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि यह भर्ती रैली रोहतक, सोनीपत, पानीपत और झज्जर जिले के उन अभ्यर्थियों के लिए होगी, जिन्होंने जून 2026 में सीईई में भाग लिया था। सीईई परिणाम के बाद भर्ती कार्यक्रम जारी होगा। सेंट्रल कैटेगरी के अंतर्गत जेसीओ (धार्मिक शिक्षक), हवलदार शिक्षा, जेसीओ कैटरिंग तथा हवलदार सर्वे ऑटो कार्टो श्रेणियों के अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग भी इसी भर्ती रैली के दौरान रोहतक में होगी। प्रवक्ता ने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे भर्ती रैली और शारीरिक दक्षता परीक्षा को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारियां जारी रखें। भर्ती से संबंधित ताजा जानकारी और कार्यक्रम के लिए आधिकारिक सूचनाओं पर नियमित नजर बनाए रखें।

जरूरतमंद लोगों को कराया भोजन

झज्जर। जरुरतमंदों को भोजन खिलाते हुए समिति सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आम जन विकास सेवा समिति द्वारा संचालित आम जन रोटी बैंक द्वारा क्षेत्र के गांव झाड़ली स्थित रेलवे स्टेशन पर जरुरतमंद लोगों को भोजन कराया गया। समिति प्रधान प्रदीप शर्मा ने बताया कि समिति द्वारा दानदाताओं के सहयोग से निःशुल्क भोजन कराया जाता है। रविवार को डॉक्टर हरिओम रंगा के सहयोग से जरुरतमंदों में भोजन वितरित किया गया। इस मौके पर समिति विस्तारक श्याम लाल जांगड़ा, सुंदर जिंदल, राजेश शर्मा, मंगौरी समिति सदस्य संदीप कुमार, सन्नी कुमार, सोनू देवी, पूनम देवी, निखिल,बाबूलाल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

तीन अगस्त से रूट बदलकर चलेंगी कई ट्रेन

रोहतक। अगस्त के पहले सप्ताह में रेल यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। रेलवे द्वारा ट्रैक के रखरखाव एवं आवश्यक तकनीकी कार्य के चलते 3 अगस्त से 8 अगस्त 2026 तक कई प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन में अस्थायी बदलाव किया गया है। इस दौरान कुछ ट्रेनें अपने सामान्य मार्ग के बजाय वैकल्पिक मार्ग से चलाई जाएंगी, जबकि कुछ ट्रेनों का दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव भी रहेगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन का रूट, समय और स्टॉपेज की जानकारी अवश्य जांचने की अपील की है।

जानें... किन ट्रेनों का रूट रहेगा परिवर्तित

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, कालिंदी एक्सप्रेस (14117) 5, 6 और 7 अगस्त को गाजियाबाद के बजाय नई दिल्ली होकर चलेगी। इस दौरान ट्रेन का दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ठहराव भी रहेगा, जिससे यात्रियों को सुविधा मिलेगी। इसी प्रकार बल्लभगढ़-बठिंडा एक्सप्रेस (15733) 3 से 8 अगस्त तक गाजियाबाद के स्थान पर नई दिल्ली-सब्जी मंडी मार्ग से संचालित की जाएगी। यह ट्रेन भी दिल्ली शाहदरा और दिल्ली स्टेशन पर नहीं जाएगी। बल्लभगढ़-बठिंडा एक्सप्रेस (15743) भी 5 अगस्त को परिवर्तित मार्ग से चलेगी।

एक महीने से लग रहा योग शिविर रहेगा जारी

बहादुरगढ़। शिविर के दौरान योगाभ्यास करते रेजिडेंट्स।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को रुहिल रेजीडेंसी में भारतीय योग संस्थान द्वारा आयोजित योग शिविर का एक महीना पूरा हो गया। रेजिडेंट्स ने योग शिविर को निरंतर चलाने का संकल्प लिया। भारतीय योग संस्थान के 8 प्रतिनिधियों के अलावा लगभग 130 रेजिडेंट्स भी इसका हिस्सा बने। नीरज वत्स ने सभी सोसाइटी वासियों और योग संस्थान के प्रतिनिधियों का आभार जताया। पूर्व सरंपच सोनू ने 100 से अधिक टीशर्ट बांटी। कार्यक्रम में छोटे बच्चों ने गणेश वंदना व सरस्वती वंदना की। माताओं और बहनों ने भजन सुनाएं। इस मौके पर नीरज राव, डॉ. बलवंत, कृष्ण सिंगला, जगविंद्र अहलावत, नीरज काजला, दिलबाग, भूषण भारद्वाज, शील मान, बिजेंद्र दराल, दीपक नांदल, बलवंत, आशीष गुप्ता, विकास, प्रियव्रत वशिष्ठ, रामपाल, किरण, प्रीति, ललिता, संगीता, सुमन आदि मौजूद रहे।

शिव चौक स्थित शिव हनुमान मंदिर में विशेषज्ञों ने दी परामर्श

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 174 लोगों की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के वार्ड नंबर-15 के शिव चौक स्थित शिव हनुमान मंदिर में रविवार को निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने 174 लोगों की आंखें जांची। साथ ही उन्हें आंखों की देखभाल के प्रति आवश्यक परामर्श भी दिया।

हरदिल मिलाप सभा के संरक्षक रेवती नंदन काठपालिया के तत्वाधान में आयोजित शिविर के दौरान पार्षद प्रतिनिधि भूपेंद्र नफे सिंह राठी मुख्य रूप से मौजूद रहे। डॉ मधु, उनके सहायक निखिल व उमेद बाघेला की टीम ने शिविर में आए 174 लोगों की नेत्र जांच की। शिविर में अनेक रोगी मोतियाबिंद से ग्रस्त मिले, जिन्हें दवाईयों के साथ उचित देखभाल की सलाह दी गई। इनेलो नेता भूपेंद्र राठी ने कहा कि लोग इन शिविरों का लाभ उठाएं और अपनी आंखों का ध्यान रखें। इस अवसर पर शहरी जिलाध्यक्ष रामनिवास सैनी, सत्येंद दहिया, पंडित द्वारकेश, हरीश बजाज, एडवोकेट विपिन, सुरेश अरोड़ा, महेश प्रधान, राजीव लखीना, विशन लाल नारंग, दिनेश चावला, राज सिंह वर्मा, भारत नागपाल, वीरू प्रवीण, पंडित हरिओम, मास्टर अर्जुन खुराना व अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। शिविर में लोगों की आंखें जांचते स्वास्थ्यकर्मी।

खबर संक्षेप

होनहार विद्यार्थियों को किया सम्मानित

झज्जर। इंडियन जागृति मंच एवं धनुर्धर धानक समाज जिला झज्जर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इंडियन जागृति मंच के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष चैनसुख गुरहिया ने बताया कि वर्ष 2026 में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में इस समारोह का आयोजन किया गया। लघु सचिवालय स्थित संवाद भवन में सुबह 10 बजे से शुरू हुए इस कार्यक्रम में भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने होनहार विद्यार्थियों से शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी रहते हुए अपने अभिभावकों व जिले का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन पर आधारित एक कविता भी सुनाई जिसकी उपस्थित जनसमूह द्वारा सराहना की गई। इसके उपरांत उन्होंने दसवीं व बारहवीं कक्षा के करीब एक सौ अस्सी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, पटका व मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन कवि जय सिंह जीत द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित जनसमूह को नशा मुक्त भारत संबंधी शपथ दिलाते हुए युवाओं को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

बारिश होने पर स्थिति हो जाती है भयावह, पानी भरने पर नहीं दिखते गड्ढे

बहादुरगढ़ बाइपास की सर्विस लेन में जगह-जगह गड्ढे, हादसों का खतरा

वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने या वाहन मोड़ने में आ रही है अधिक परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के बाइपास के साथ बनी सर्विस लेन की बदहाल स्थिति अब वाहन चालकों के लिए बड़ी परेशानी बन चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढे और टूटी हुई सतह के कारण रोजाना हजारों लोगों को जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग किसी चुनौती से कम नहीं है।

एक तरफ रोहद टोल प्लाजा पर भारी-भरकम वसूली के बावजूद लंबे समय से सर्विस लेन की मरम्मत नहीं हुई है। इस कारण सड़क कई स्थानों पर पूरी तरह उखड़ चुकी है। कई जगह गड्ढे इतने गहरे हैं कि वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने या वाहन मोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे आए दिन छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं। बारिश होने पर स्थिति और भी भयावह हो जाती है। गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता और कई बाइक सवार संतुलन खोकर गिर जाते हैं। रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

सिटी पल्स

बहादुरगढ़। शहर के बाइपास की सर्विस लेन में बने गड्ढे। फोटो : हरिभूमि

वाहन चालकों को परेशानी

एचएल सिटी निवासी आनंद जून के अनुसार बाईपास से जुड़े औद्योगिक क्षेत्रों, कॉलोनियों और गांवों के लोग रोज इसी सर्विस लेन से आवागमन करते हैं। नौकरीपेशा लोग, छात्र, व्यापारी और स्कूल वाहनों को भी इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है। टूटी सड़क के कारण धूल उड़ती रहती है, वाहन भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और लगातार दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। एनएचएआई अथवा टोल एजेंसी को इस जर्जर सर्विस लेन की सुध लेनी चाहिए।

कई महीनों से हालत खराब

सांखोल निवासी सुमेर राठी के अनुसार कई महीनों से सड़क की हालत खराब है, लेकिन मरम्मत की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। हादसा होने के बाद ही प्रशासन जागता है। यदि समय रहते सर्विस लेन की मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। उन्होंने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द गड्ढों को भरकर सड़क का पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन मिल सके।

हादसों का बढ़ रहा खतरा

अधिवक्ता पवन सैनी के अनुसार भारी वाहनों की आवाजाही के कारण और मरम्मत के अभाव में सर्विस लेन की सड़क लगातार अधिक क्षतिग्रस्त होती जा रही है। सड़क पर गड्ढा बचाने के चक्कर में कई बार वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। कई अधिवक्ताओं को यहां से गुजरकर कोर्ट आना पड़ता है। गड्ढों से बचते-बचाते वाहन चलाना पड़ता है। कई बार संतुलन बिगड़ चुका है। सड़क इतनी खराब है कि गाड़ी के सस्पेंशन और टायर पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है।

झज्जर। कार्यशाला के दौरान उपस्थित प्रशिक्षक एवं विद्यालय स्टफ।

नवाचार शिक्षण पद्धति अध्यापकों के लिए जरूरी : हेमंत गुलिया

■ क्षमता निर्माण कार्यक्रम की एक दिवसीय कार्यशाला में दिए बेहतर शिक्षा के टिप्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में रविवार को क्षमता निर्माण कार्यक्रम की एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यापकों ने अधिगम प्रतिफल और शिक्षण शास्त्र विषय की गहनतम जानकारी प्राप्त की। प्राचार्या प्रीति राठी की अध्यक्षता और रिसोर्स पर्सन नीलम कुमारी के उचित दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में प्रशिक्षिका गुरविंद्र आहुजा और अनीता सिंह राणा ने बड़े ही सुंदर व आकर्षक तरीके से अधिगम प्रतिफल और शिक्षण शास्त्र के बारे में विस्तार से बताया कि किसी विषय को पूरा करने के बाद विद्यार्थियों द्वारा अर्जित किए जाने वाले ज्ञान, कौशल और मूल्यों को आंकना है। इनके लिए अध्यापकों द्वारा जिन शिक्षण विधियों, रणनीतियों और दृष्टिकोणों को अपनाया गया, वह शिक्षा शास्त्र है। कार्यशाला में प्रभावी पाठ योजना, गतिविधि आधारित शिक्षण और बच्चों के समग्र मूल्यांकन पर विस्तार से चर्चा हुई। अनेक मनोरंजक व शिक्षाप्रद गतिविधियों ने कार्यशाला को रुचिकर बनाए रखा। एचडी ग्रुप सचिव हेमंत गुलिया ने बताया कि इस प्रकार के क्षमता निर्माण कार्यक्रम अध्यापकों के बुद्धि कौशल को विकसित करता है वहीं विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सकारात्मक सुधार लाने में सहायक सिद्ध होते हैं। एच डी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा ने भी अधिगम प्रतिफल और शिक्षण शास्त्र विषय पर अपने विचार रखे और सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला में प्राप्त शिक्षण तकनीकों व नवाचारों का कक्षा-कक्ष में प्रयोग करने का संकल्प लिया।

सीटीएम रितु ने शहर में देखी जल निकासी की व्यवस्था

■ जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में जल निकासी के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर/बहादुरगढ़

मानसून सीजन के दौरान जिले में जलभराव की स्थिति से बचाव तथा जल निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में जल निकासी के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं और संबंधित अधिकारी फील्ड में मॉनिटरिंग करते हुए अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में नालों, ड्रेन एवं सीवरेज व्यवस्था का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। डीसी की ओर से जारी आदेश अनुरूप एडीसी जगनिवास द्वारा झज्जर उपमंडल, एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच द्वारा बहादुरगढ़ ग्रामीण क्षेत्र एवं एमआईई पार्ट-एक और पार्ट-दो, सीटीएम रितु द्वारा बहादुरगढ़ नप क्षेत्र, एचएसवीपी के एस्टेट ऑफिसर विजय राठी द्वारा एचएसवीपी सेक्टर की सीवरेज व्यवस्था, एसडीएम रेणुका नांदल द्वारा बेरी उपमंडल तथा एसडीएम विशाल कुमार द्वारा बादली उपमंडल क्षेत्र में संबंधित विभाग के साथ संयुक्त निरीक्षण कर रहे हैं। निरीक्षण अभियान के दूसरे दिन रविवार को सीटीएम रितु ने बहादुरगढ़ नप क्षेत्र में जल निकासी प्रबंधों का विस्तृत जायजा लिया।

नगराधीश रितु ने कहा कि शहर में जल निकासी प्रबंधों का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान आमजन को जलभराव से बचाने के लिए प्रशासन पूरी गंभीरता एवं सजगता से कार्य कर रहा है।

झज्जर। नालों, ड्रेन एवं सीवरेज व्यवस्था का निरीक्षण करतीं सीटीएम रितु। फोटो : हरिभूमि

महंत राजेंद्र दास ने किया निर्माणाधीन आयुष मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण

■ क्षेत्रवासियों को शीघ्र ही आधुनिक चिकित्सा एवं शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव माजरा-दूबलधन स्थित जटेला धाम के महंत राजेंद्र दास ने रविवार को निर्माणाधीन आयुष मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माणाधीन भवन के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन करते हुए कार्य की गुणवत्ता और गति को लेकर निर्माण कार्य से जुड़े प्रतिनिधियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि आयुष मेडिकल कॉलेज क्षेत्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगा। उन्होंने निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने पर बल दिया, ताकि क्षेत्रवासियों को शीघ्र ही आधुनिक आयुष चिकित्सा एवं शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने निर्माण स्थल पर मौजूद इंजीनियरों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

झज्जर। निर्माणाधीन आयुष मेडिकल कॉलेज का जायजा लेते महंत राजेंद्र दास।

ट्रस्ट ने छात्रा को दी 51 हजार की मदद

बहादुरगढ़। शहर की देवकर्ण धर्मशाला में जांगिड़ विद्यार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट रोहतक की एक मीटिंग हुई। ट्रस्ट द्वारा समाज के गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को समय-समय पर दी जाने वाली आर्थिक सहायता के क्रम में बीफार्मा की छात्रा पूजा को 51 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी। अजीत जांगड़ा ने यह राशि छात्रा पूजा को भेंट की। इस मौके पर ट्रस्ट के चेयरमैन रामेश्वर दास, सचिव रवि कुमार, वाइस चेयरमैन हंसराज जांगड़ा, कोषाध्यक्ष हजारीलाल, पूर्व चेयरमैन देवी शंकर जांगड़ा, सत्यपाल आर्य व गीता डिरोलिया आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

फर्जी पेमेंट दिखाकर 36 हजार के कॉपर का तार ले गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर थाना पुलिस ने फर्जी ऑनलाइन पेमेंट का स्क्रीनशॉट दिखाकर करीब 36 हजार रुपये का कॉपर तार लेकर फरार होने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-6 निवासी सतीश कुमार ने बताया कि उनकी कुंदन सिनेमा के पीछे दलाल इलेक्ट्रिकल्स के नाम से दुकान है। सौरभ निवासी गाजियाबाद 7 अप्रैल को उनकी दुकान पर आया और 4 एमएम व 3/6 एमएम कॉपर तार के बंडल खरीदे। सामान की कुल कीमत जीएसटी सहित 36 हजार 169 रुपये थी। आरोपी ने भुगतान करने का दावा करते हुए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन का स्क्रीनशॉट दिखाया, जिसके बाद वह सामान लेकर चला गया। बाद में जांच करने पर पता चला कि भुगतान उनके खाते में नहीं पहुंचा और दिखाया गया पेमेंट फर्जी था। सतीश ने अपने स्तर पर आरोपी की तलाश की। उसे पता चला कि आरोपी शहर थाना पुलिस की हिरासत में है। इसके बाद उसने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर सिटी थाना में बीएनएस की धारा 316 (2) के तहत मामला दर्ज किया है।

टास्क पूरा करके मुनाफा कमाने के झांसे में शिक्षक ने गंवाए 80 लाख

झज्जर। साइबर ठगों द्वारा ऑनलाइन निवेश और टास्क पूरा करने के नाम पर एक शिक्षक को करीब अस्सी लाख रुपये की चपत लगाई है। जब शिक्षक को साइबर ठगी का पता चला तो उसने संबंधित पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करवाते हुए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने व ठगी गई राशि वापिस दिलाने की मांग की है। पुलिस को दी शिकायत में शहर निवासी पीड़ित शिक्षक ने बताया कि वह वर्तमान में रेवाड़ी के एक सरकारी विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत है। शिकायत के अनुसार वर्ष 2024 के अगस्त माह में उसके मोबाइल पर एक संदेश प्राप्त हुआ था, जिसमें टेलीग्राम चैनल पर एक एप्लीकेशन का लिंक भेजा गया था। लिंक पर क्लिक करने के बाद उनके मोबाइल में वह एप्लीकेशन इंस्टॉल हो गई। शिकायतकर्ता के अनुसार टेलीग्राम चैनल के माध्यम से उन्हें विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन टास्क दिए जाने लगे। शुरुआत में उन्होंने दो हजार रुपये निवेश किए, जिस पर एप्लीकेशन में लाभ

दिखाया गया। इसके बाद लगातार अधिक राशि निवेश करने पर एप्लीकेशन में उनका मुनाफा बढ़ता हुआ दिखाई देता रहा, जिससे उसका विश्वास और बढ़ गया। 15 अगस्त 2024 से 1 फरवरी 2026 के बीच उन्होंने अपने खातों के अलावा अपनी बहन के खाते सहित करीब 80 लाख रुपये निवेश कर दिए। एप्लीकेशन में उसकी राशि लाभ सहित करीब 86 लाख रुपये दिखाई देने लगी तो उसने अपनी राशि व मुनाफा निकालने का प्रयास किया और जब रुपये नहीं निकल पाए तो उसे ठगी का आभास हुआ।

वृक्ष ही स्वच्छ वायु और स्वस्थ पर्यावरण का आधार : गीतांशु

झज्जर। रविवार को स्थानीय संवाद भवन से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से पौधा लगाना है, पर्यावरण बचाना है अभियान का शुभारंभ किया गया। भाजपा के जिला प्रवक्ता गीतांशु चावला ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित भविष्य का आधार भी हैं। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखे। उन्होंने कहा कि वृक्ष ही स्वच्छ वायु और स्वस्थ पर्यावरण का आधार है। उन्होंने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी ले, तो आने वाले समय में हमारा क्षेत्र और देश अधिक हरित एवं स्वच्छ बन सकता है। कार्यक्रम के समापन पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर शपथ भी दिलाई गई।

योजना से महिलाओं को मिल रहा बढ़ावा

झज्जर। जिले में महिला एवं किशोरी सम्मान योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग सजगता से कार्य कर रहा है। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि महिला एवं किशोरी सम्मान योजना के तहत 10 से 45 वर्ष आयु वर्ग की पात्र बीपीएल महिलाओं एवं किशोरियों को निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा मिले और महिलाओं के स्वास्थ्य की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित हो। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए विभाग द्वारा एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर लाभार्थियों का पंजीकरण फैमिली आईडी के आधार पर किया जाएगा।

घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ गर्मी से राहत दिलाने का काम भी करते इंडोर पौधे

पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक हैं घर में लगे पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

तापमान में निरंतर बढ़ोतरी के कारण जन जीवन पूर्णतया प्रभावित हो रखा है। तेज गर्मी में घर के तापमान को नियंत्रित रखने में इंडोर पौधे भी सहायक का काम करते हैं। इनकी हरियाली से जहां आंखों को सुकून मिलता है वहीं घर में भी बाहर के मुकाबले ठंडक बनी रहती है। इसी के चलते लोग नर्सरियों में पहुंच कर विभिन्न प्रकार के पौधे खरीद रहे हैं। घरों की छतों व बालकनी में रखे ये पौधे जहां वातारण को नियंत्रित रखने में सहायता प्रदान करते हैं वहीं इन रंग-बिरंगे पौधों से घर भी सुंदर दिखाई देता है। लोगों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के इंडोर पौधों से छत या आंगन के एक हिस्से में बगीचेनुमा रूप दिया जा रहा है। आंगन वाले बड़े घरों में आउटडोर पौधे जैसे चांदनी, सदाबहार, अडेनियम, कनेर, बोगनवेलिया, जेड प्लांट आदि से घर की सुंदरता में चार चांद लगाए जा सकते हैं। इनमें से अधिकांश पौधों को कम पानी की जरुरत रहती है। मनी प्लांट व गिलोय से कवर किया जा सकता है घर। जानकारों के अनुसार पौधे गर्मी से राहत दिलाने में सहायक होते हैं। हालांकि बढ़ती गर्मी के कारण इनके सूखने का खतरा भी बना रहता है। इसलिए इन्हें दिन में दो से तीन बार पानी की जरुरत पड़ती है। ऐसे में लोग अपने घरों की छतों को बेल वाले पौधों जैसे मनी प्लांट व गिलोय आदि से कवर कर सकते हैं। छोटे घरों में जगह के अभाव के कारण पौधों को खिड़कियों व दरवाजों के पास रख सकते हैं। इससे न केवल घर साफ-सुथरा रहेगा बल्कि बाहर से शुद्ध हवा भी आएगी।

झज्जर। एक मकान के बाहर रखे पौधे। फोटो : हरिभूमि

पंसदीदा पौधों में शुमार है मनी प्लांट

इंडोर पौधों में लोगों द्वारा मनी प्लांट, एरिका पाम, रबर प्लांट, बैंबूपाम, एलोवेरा, लीली, फाइकस बेंजमिना, लकी बैंबू, स्नेक प्लांट, स्विस चीज प्लांट, गरबेरा डेजी आदि पौधों को सजाया जा रहा है। मनी प्लांट, बैंबूपाम व तुलसी के पौधे लोगों के पंसदीदा पौधों में शामिल हैं। खास बात यह है कि ये पौधे भाग्यशाली पौधों की सूची में शामिल हैं। ये पौधे घर के उस कोने में रखे जा सकते हैं जहां थोड़ी-बहुत धूप आती है। इन पौधों के लिए अधिक तामझाम की जरुरत नहीं होती। ये हवा से हानिकारक रसायनों को साफ करने में मदद कर वातावरण शुद्ध रखते हैं।